

1 सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

(i) बाल गोबिन भगत साहब मानते थे -

(अ) सूरदास

(ब) तुलसीदास

(स) नागार्जुन

(द) कबीर

(ii) वह धीरे-धीरे चलने लगा। इस वाक्य में क्रिया-विशेषण का भेद है -

(अ) परिमाणवाचक

(ब) रीतिवाचक

(स) स्थानवाचक

(द) कालवाचक

(iii) बालक तारकेश्वरनाथ को उसके पिता टीका लगाते थे -

(अ) चंदन का

(ब) रोली का

(स) भभूत का

(द) कुमकुम का

(iv) रीतिकाल के कवि थे -

(अ) भूषण

(ब) जयशंकर प्रसाद

(स) जगमोहन सिंह

(द) अज्ञेय

(v) तुलसीदास की रचना है -

(अ) सूरसागर

(ब) झरना

(स) विनय पत्रिका

(द) गीतिका

(vi) दसवें रस का नाम है -

(अ) शृंगार

(ब) वीर

(स) भयानक

(द) वात्सल्य

- 2 रिक्त स्थान में सही विकल्प का चयन कर लिखिए : 1×6=6
- (i) संधि के _____ भेद होते हैं । (3 / 2 / 4)
- (ii) हिमालय की तीसरी सबसे बड़ी चोटी _____ है । (एवरेस्ट / कंचन जंघा / माउंट एवरेस्ट)
- (iii) सूरदास के _____ गुरु थे । (वल्लभाचार्य / परशुराम / रामदास)
- (iv) चौपाई छंद की प्रत्येक पंक्ति में _____ मात्राएँ होती हैं । (11 / 16 / 21)
- (v) प्रबंध काव्य के _____ भेद होते हैं । (3 / 5 / 2)
- (vi) प्रतिमा बनाने वाले का नाम _____ था । (श्याममोहन / मोतीलाल / हालदार साहब)

- 3 सही जोड़ी मिलाकर लिखिए :

[क]

- (i) गद्य की प्रमुख विधाएँ
- (ii) लखनवी अंदाज
- (iii) अंधे की लाठी
- (iv) मैं क्यों लिखता हूँ ?
- (v) कामायनी
- (vi) मानवी क्रियाओं का आरोप

[ख]

- (अ) जयशंकर प्रसाद
- (ब) मानवीकरण
- (स) निबंध
- (द) एक मात्र सहारा
- (इ) यशपाल
- (ई) अज्ञेय
- (उ) रेखाचित्र
- (ऊ) प्रेमचंद

1×6=6

- 4 एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1×6=6

- (i) "एक अनार सौ बीमार" का अर्थ लिखिए ।
- (ii) भोलेनाथ के पिताजी गंगा में आटे की कितनी गोलियाँ प्रवाहित करते थे ?
- (iii) कवि निराला ने बादलों की तुलना किससे की है ?
- (iv) रस के कितने अंग होते हैं ?
- (v) गद्य की तीन गौण विधाएँ लिखिए ।
- (vi) समास के कितने भेद होते हैं ?

5 सत्य / असत्य चयन कर लिखिए :

- (i) जो जीता न जा सके उसे अजेय कहते हैं ।
- (ii) प्रेयर व्हील को घुमाने से पाप नहीं धुलते हैं ।
- (iii) हिरोशिमा में परमाणु बम गिरा था ।
- (iv) मुख्य गायक के स्वर चट्टान जैसे भारी और गंभीर थे ।
- (v) दोहा एक सममात्रिक छंद है ।
- (vi) आदमी ने पहले पहल आग का आविष्कार किया था ।

6 'यशपाल' अथवा मन्नू भंडारी जी का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं पर लिखिए :
(i) दो रचनाएँ (ii) भाषा-शैली ।

7 सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?

अथवा

इस आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को भटियारखाना कहकर क्यों संबोधित किया है ?

8 शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ?

अथवा

वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है ?

9 निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(i) खून-पसीना एक करना ।

(ii) दाल न गलना ।

अथवा

निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए :

(i) पंचवटी

(ii) नीलाम्बर



- 10 भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न हैं ? 2

अथवा

लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

- 11 प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख दो विशेषताएँ लिखिए । 2

अथवा

रीतिकाल की कोई दो विशेषताएँ लिखिए ।

- 12 सूरदास अथवा नागार्जुन की काव्यगत विशेषताएँ निम्न बिन्दुओं पर लिखिए : 2

(i) दो रचनाएँ (ii) भाव पक्ष । <https://www.mpboardonline.com>

- 13 कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है ? 2

अथवा

परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए ?

- 14 कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है ? 2

अथवा

संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है ?



15 खण्ड काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

शृंगार रस किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए ।

16 चौपाई छंद को परिभाषित करते हुए उदाहरण सहित लिखिए ।

अथवा

अन्योक्ति अलंकार किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए ।

17 कहानी और उपन्यास में कोई दो अंतर लिखिए ।

अथवा

रेखाचित्र और संस्मरण में कोई दो अंतर लिखिए ।

18 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए :

मूर्ति संगमरमर की थी । टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँ जिसे कहते हैं बस्ट । और सुंदर थी । नेताजी सुंदर लग रहे थे । कुछ-कुछ मासूम और कमसि फौजी वर्दी में । मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो.....' वगैरह याद उ लगते थे । इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था ।

अथवा

यह पितृ गाथा में इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव-गान करना है, बल्कि मैं तो यह देखना चाहती हूँ कि उनके व्यक्तित्व की कौन सी खूबी और खामियाँ मेरे व्यक्तित्व के ताने-बाने में गुँथी हुई हैं या कि अनजाने अनचाहे किए उनके व्यवहार ने मेरे भीतर किन ग्रंथियों को जन्म दे दिया ।



19 'मीठी बोली का महत्व' विषय पर अनुच्छेद लिखिए ।

3

बढ़ती महंगाई के संबंध में ग्राहक और किराना दुकान के मालिक के मध्य संवाद लिखिए ।

अथवा

20 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
हमारै हरि हारिल की लकरी ।

3

मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी ।

जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री ।

सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी ।

सु तौ व्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी ।

यह तौ 'सुर' तिनहि लै सौंपों, जिनके मन चकरी ।

अथवा

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी;

मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।

इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास

यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य मलिन उपहास ।

21 नगरपालिका अध्यक्ष को मोहल्ले की नियमित सफाई के संबंध में आवेदन पत्र लिखिए ।

4

अथवा

अपने मित्र को अपने भाई की शादी में सम्मिलित होने के लिए पत्र लिखिए ।

22 निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध रूपरेखा सहित लिखिए :

4

(i) पर्यावरण प्रदूषण ।

(ii) वर्तमान समय में कम्प्यूटर की उपयोगिता ।

(iii) विज्ञान की प्रगति का मानव जीवन में महत्व ।

(iv) जीवन में खेलों का महत्व ।

401

/ J-501_B S-1

7



P.T.O.

23 निम्नलिखित अपठित गद्यांश / काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+1+1=

कभी-कभी लक्ष्य बहुत दूर दिखाई देता है। संदेह होने लगता है कि इस लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे या नहीं। कई बार लक्ष्य प्राप्ति के लिए अनेक प्रयास करने पर भी असफलता मिलती है। इससे मन में निराशा का भाव जागृत हो जाता है। निराशा से प्रसन्नता और शांति नष्ट हो जाती है। आशा उत्साहित करती है। निराशा का भाव अकेले नहीं आता। उसके साथ हीनता की भावना का जन्म होता है। असुरक्षा का भाव आता है, तनावों का बवंडर आ जाता है। मन उत्साहीन हो जाता है। मन में निराशा नहीं आशा को बसाना चाहिए। जो लोग जीवन में आशावादी रहते हैं वही विपरीत परिस्थितियों में भी लक्ष्य प्राप्ति में सक्षम हो सकते हैं।

प्रश्न :-

- (i) गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
- (ii) निराशा का भाव क्यों जागृत होता है ?
- (iii) मन में आशा का भाव क्यों बनाए रखना चाहिए ?

अथवा

श्रम होता सबसे अमूल्य धन, सब जन खूब कमाते।
सब अशंक रहते अभाव से, सब इच्छित सुख पाते ॥
राजा प्रजा नहीं कुछ होता, होते मात्र मनुज ही।
भाग्य-लेख होता न मनुज का, होता कर्मट भुज ही ॥

प्रश्न :-

- (i) इस पद्यांश का शीर्षक लिखिए।
- (ii) श्रम को कवि ने कैसा धन कहा है ?
- (iii) 'राजा प्रजा नहीं कुछ होता' से कवि का क्या आशय है ?